दिनांक- 1 फरवरी, 2018 समय : 03:30 PM

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- 'भारत में तीव्र जनसंख्या वृद्धि ने देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में बाधा उत्पन्न की है।' इस कथन के संदर्भ में जनसंख्या वृद्धि के कारकों, दुष्परिणामों की चर्चा कीजिए। (150 शब्द)

'Rapid population growth in India has hindered economic and social development of the country.' In this context, discuss the factors and adverse consequences of the population growth. (150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- **भूमिका :** जनसंख्या वृद्धि भारत की एक महत्वपूर्ण समस्या के रूप में उभरी है, क्योंकि यहाँ आज विश्व के कुल क्षेत्र के 2.4% भाग में विश्व की 17% जनसंख्या निवास कर रही है। भारत की जनसंख्या 1951 में 36.11 करोड़ से बढ़कर 2001 में 102.87 करोड़ और 2011 में 121 करोड़ हो गई है। अगर यही हाल रहा तो 2035 तक चीन को पीछे छोड़कर भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा।

मुख्य विषय वस्तु

जनसंख्या वृद्धि से होने वाले सामाजिक दुष्परिणाम-

- शुद्ध राष्ट्रीय आय/प्रति व्यक्ति आय में कमी
- मुद्रास्फीति/महंगाई में वृद्धि
- गरीबी और बेरोजगारी में वृद्धि
- जीवन स्तर में गिरावट एवं निरक्षरता की समस्या
- स्वास्थ्य संबंधी समस्या में वृद्धि
- अतिनगरीकरण की समस्या में वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि के कारक-

- धार्मिक मान्यताएं
- अशिक्षा एवं अज्ञानता
- गरीबी, बेरोजगारी एवं निम्न जीवन स्तर
- जनन आयुवर्ग में जनसंख्या की अधिकता
- शिशु मृत्युदर की अधिकता
- संयुक्त परिवार का होना
- पर्यावरण नियोजन की तरफ ध्यान न देना
- डिजिटल प्रणाली का अधूरा विकास

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

***

नोट : *प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को सामाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।*